



भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

ICAR-Central Institute for Cotton Research, Nagpur

An ISO 9001:2015 Certified Organisation



कापूस हंगाम २०२४ - २५ साप्ताहिक:
३३ वा पीक सल्ला २१ जानेवारी ते २७ जानेवारी २०२५

| महाराष्ट्र | मागील आठवड्यातील प्रत्यक्ष पाऊस (मिमी) | पडणाऱ्या पावसाचा अंदाज (मिमी) | | | | | | | | | | |
|----------------------------|--|-------------------------------|----|----------------------|----|--------------------|----------|---------------------|----|----|----|---|
| | | जानेवारी | | | | | जानेवारी | | | | | |
| | | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | |
| | धुळे | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | नंदुरबार | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | जळगाव | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | अहमदनगर | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | औरंगाबाद | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | जालना | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | बीड | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | नांदेड | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | परभणी | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | हिंगोली | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | बुलढाणा | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | अकोला | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | वाशीम | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | अमरावती | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | यवतमाळ | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | वर्धा | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| | नागपूर | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| चंद्रपूर | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | |
| पावसाचे प्रमाण आणि रंग कोड | 0.1 to 2.4 मिमी | 2.5 to 15.5 मिमी | | 15.6 to 64.4 मिमी | | 64.5 to 115.5 मिमी | | 115.6 to 204.4 मिमी | | | | |
| पावसाची श्रेणी | खूप हलका पाऊस | तुरळक पाऊस | | मध्यम स्वरूपाचा पाऊस | | मुसळधार पाऊस | | अति मुसळधार पाऊस | | | | |

पीक परिस्थिती:

अकोला येथे पीक संपुष्टात आले आहे.

नांदेड येथे पीक संपुष्टात आले आहे.

राहुरी येथे पीक संपुष्टात आले आहे.

पीक सल्ला:

गुलाबी बोंडअळीचा प्रादुर्भाव कमी करण्यासाठी शेतकऱ्यांना कपाशीची सर्व झाडे शेतातून काढून टाकण्याचा सल्ला देण्यात आलेला आहे. मोबाईल कापूस श्रेडरने कापसाच्या देठाचे तुकडे करावे.

